

---

# Shri Venkateshvara Dvadashamanjarika Stotram

---

## श्रीवेङ्कटेश्वर द्वादशमञ्जरिकास्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Venkateshvara Dvadashamanjarika Stotram

File name : venkaTeshvaradvAdashapanjarika.itx

Category : vishhnu, venkateshwara, stotra, vishnu, panjara, dvAdasha

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com

Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com

Latest update : July 21, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 8, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीवेङ्कटेश्वर द्वादशमञ्जरिकास्तोत्रम्



श्रीरस्तु ॥

श्री कल्याण गुणोल्लासं चिद्विलासं महौजसम् ।  
शेषाद्रिमस्तकावासं श्रीनिवासं भजामहे ॥ १ ॥

वाराहवेष भूलोकं लक्ष्मीमोहन विग्रहम् ।  
वेदान्त गोचरं देवं वेङ्कटेशं भजामहे ॥ २ ॥

साङ्गाना मर्चिताकारं प्रसन्न मुखपङ्कजम् ।  
विश्वविश्वम्भराधीशं वृषाद्रीशं भजामहे ॥ ३ ॥

कनकनक वेलाढ्यं करुणा वरुणालयम् ।  
श्री वासुदेव चिन्मूर्तिं शेषाद्रीशं भजामहे ॥ ४ ॥

घनाघनं शेषाद्रि शिखरानन्द मन्दिरम् ।  
श्रितचातक संरक्षं सिंहाद्रीशं भजामहे ॥ ५ ॥

मङ्गळत्रं पद्माक्षं कस्तूरी तिलकोज्ज्वलम् ।  
तुलस्यादि मनःपूज्यं तारागण विभूत्वमे ॥ ६ ॥

स्वामिपुष्करिणी तीर्थं वासं व्यासाभिः वर्णितम् ।  
स्वाङ्गीसूचित हस्ताब्जं सत्यरूपं भजामहे ॥ ७ ॥

श्रीमन्नारायणं श्रीशं ब्रह्माण्डा वसन तत्परम् ।  
ब्रह्मण्यं सच्चिदानन्दं मोहातीतं भजामहे ॥ ८ ॥

अञ्जनाद्रीश्वरं लोकरञ्जनं मुनिरञ्जनम् ।  
भक्तार्ति भञ्जनं भक्त पारिजातं तमाश्रये ॥ ९ ॥


भिल्ली मनोहर्यं सत्य मनन्तं जगतां विभुम् ।  
नारायणाचलपतिं सत्यानन्दं तमाश्रये ॥ १० ॥

चतुर्मुखत्र्यम्बकाढ्यं सन्नुतार्यं कदम्बकम् ।


ब्रह्म प्रमुखनित्रानं प्रधान पुरुषाश्रये ॥ ११ ॥  
श्रीमत्पद्मासनाग्रस्थ चिन्तितार्थ प्रदायिकम् ।  
लोकैक नायकं श्रीमद् वेङ्कटाद्रीश माश्रये ॥ १२ ॥  
वेङ्कटाद्रि हरेः स्तोत्रं द्वादश श्लोक संयुतम् ।  
यः पठेः सततं भक्त्या तस्यमुक्तिः करे स्थिता ॥ १३ ॥  
सर्वपापहरं प्राहुः वेङ्कटेशस्तदोच्यते ।  
त्वन्नामको वेङ्कटाद्रिः स्मरतो वेङ्कटेश्वरः  
सद्यः संस्मरणादेव मोक्ष साम्राज्य माप्नुयात् ॥ १४ ॥  
वेङ्कटेश्वर पदद्वन्द्वं प्रजामिस्त्र स्मरणं सदा ।  
भूयाश्शरण्योमे साक्षाद्देवेशो भक्तवत्सलः ॥ १५ ॥  
॥ श्री वेङ्कटेश्वर द्वादश मञ्जरिका स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and Proofread by YV Malleswara Rao malleswararao@yahoo.com

---

——  
*Shri Venkateshvara Dvadashamanjarika Stotram*

pdf was typeset on May 8, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

